एचएलएल

समन्वया

अंक - 28, मार्च 2019

एचएलएल - आम जनता के लिए एक सहायहस्त

गोल्ड

मूड्स

कण्डोम

एचएलएल
समन्वया
अंक 28, मार्च 2019

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से.....5
संपादकीय.....7
एचएलएल - आम जनता के लिए एक सहायहस्त.....8
एचएलएल के हिंदी कार्यान्वयन की झांकियाँ.....14
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार.....17
अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रथम स्थान प्राप्त प्रस्तुतीकरण.....18
सर्जनशीलता.....20
हार्दिक बधाइयाँ.....25
ताज़ा खबर.....27
पुरस्कार वितरण.....32

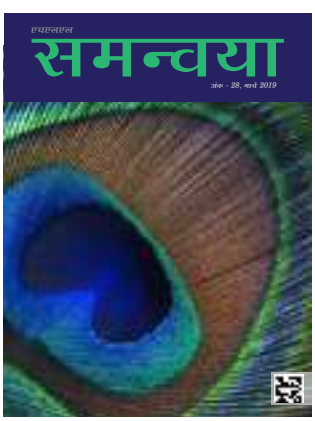

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, **मुख्य संपादक** श्री के.विनयकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), **संपादक मंडल** डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन सह उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा), श्रीमती सुधा गोपिनाथ, प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ. सुरेष कुमार. आर , उप प्रबंधक (राजभाषा)

डिजाइनिंग श्री श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार),

संपादकीय सहायक शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन

मुद्रक अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949

वेब: www.lifecarehll.com **फैक्स:** 0471-2358890

अंक 28, मार्च 2019

संपादित एवं प्रकाशित: हिंदी विभाग, तैयारकर्ता - कॉर्पोरेट संचार विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

www.hindlabs.in

स्वस्थ रहें....
खुश रहें....

- 20% - 60% छूट पर लेबोरटरी, स्कैन और अन्य टेस्ट
- ओ पी क्लिनिक्स प्रख्यात डॉक्टरों के नेतृत्व में

अधिक जानकारी के लिए :
9400027969, 0471 2443445/2443446

24x7 सेवा

स्पेश्यालिटी ओ पी क्लिनिक्स

- जनरल मेडिसिन
- थायरो क्लिनिक
- ऑर्थोपेडिक्स
- ऑपथैल्मोलॉजी
- ईएनटी
- पीडियाट्रिक्स
- कार्डियोलॉजी
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
- डायाबैटोलॉजी
- नेफ्रोलॉजी
- पल्मोनोलॉजी
- डर्माटोलॉजी

हिंदलैब्स

नैदानिक केन्द्र & स्पेश्यालिटी क्लिनिक

एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

मेडिकल कॉलेज के सामने, तिरुवनंतपुरम

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

'बदलाव के बिना विकास असंभव है, और जो लोग अपने विचारों को बदल नहीं सकते, वे कुछ भी नहीं बदल सकते, दरअसल हरेक की जीत अपने विचारों पर निर्भर रहती है।'

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन की मिनि रत्ना कंपनी, अपनी लंबी सफर में कई प्रकार के उतार - चढाव का सामना करने के साथ ही, पचासवीं सालगिरा मनाते हुए अपनी मंजिल यानी प्रगति के शिखर तक पहूँचने के सपनों से आगे की ओर चल रही है। एकल कंडोम से अपना प्रयाण प्रारंभित एचएलएल कंडोम विनिर्माण के अलावा अस्पताल उत्पाद, फार्मा उत्पाद, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय, अवसंरचना विकास, स्वास्थ्यरक्षा सेवा आदि विभिन्न आयामों में पदार्पण करके भारत भर में मात्र नहीं विदेशों में भी अपना अलग स्थान जमाते हुए गुणवत्तावाले स्वास्थ्यरक्षा उत्पादें कम कीमत पर प्रदान करने में समर्थ बन गया है। यह भी नहीं, एचएलएल के लाभ - रहित संगठन हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) के माध्यम से देश भर के विभिन्न जगहों और स्कूलों में स्वास्थ्य चेकअप कैंप, मासिक धर्म एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता शिविर आयोजित करते हुए भीषण बीमारियों एवं स्वच्छता के प्रति आम जनता विशेषतः महिलाओं एवं छात्राओं को अवगत कराने में सदा निरत रहते हैं।

इस प्रकार जन कल्याण में दत्तचित्त रहने के साथ ही एचएलएल कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में भी अतीव प्रमुखता देते हैं। आज के कंप्यूटीकरण के इस ज़माने में अपना शासकीय काम कंप्यूटर के ज़रिए पूरा का पूरा हिंदी में करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने की ओर 'तकनॉलजी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजभाषा नीति और डिजिटल आप्लिकेशन पर प्रशिक्षण, कार्यपालकों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' जैसे बहुआयामी कार्यक्रम आयोजित करके हमने कंपनी में राजभाषा नीति को अमल करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूर्णरूप से निभायी है। साथ ही आम जनता के लिए एकदम अपेक्षित अपने उत्पादों एवं परियोजनाओं का पूरा विवरण इस भाषा यानी हिंदी के ज़रिए संपूर्ण राष्ट्र के आर - पार तक पहूँचाने के लिए भी हम सफल सिद्ध हुए हैं।

इस दृष्टि से यह विचारणीय बात ही है कि कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में हमेशा अडिग एवं सतर्क रहे एचएलएल राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, नराकास राजभाषा निष्पादन पुरस्कार, नराकास राजभाषा पत्रिका पुरस्कार जैसी उपलब्धियाँ कई बार हासिल करने में कामयाब बन गया है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की अगुआई में सदस्य कार्यालयों को साथ लेते हुए विभिन्न हिंदी कार्यकलाप वैविद्यपूर्ण ढंग से आयोजित करने में भी हम सक्षम बन गये और अंततः नराकास (उपक्रम), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए लगाये गये क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (दूसरा स्थान) के लिए इस बार हकदार बन गये। इसके पहले नराकास (उपक्रम) को लगातार दो बार यह पुरस्कार (तीसरा स्थान) प्राप्त हुआ था।

इन सभी उपलब्धियों, बहुआयामी कार्यकलापों एवं कंपनी के जनोपयोगी सेवाओं तथा नूतन परियोजनाओं का स्पष्ट विवरण हम एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के विस्तृत कैनवास के ज़रिए औरों के समक्ष प्रस्तुत करने की भरसक कोशिश करते हैं। इस राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के अठाईसवाँ अंक मैं अतीव खुशी के साथ आपके सामने प्रस्तुत करता हूँ। मैं उम्मीद करता हूँ कि सभी पाठक समन्वया के आगामी अंकों का कलेवर और भी आकर्षक एवं सारगर्भित बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवगत कराने की कोशिश करेंगे।

हर्दिक शुभकामनाओं के साथ।

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सिल्वर

मूड्स

कण्डोम

लॉचिंग
सिल्वर मूड्स कंडोम

www.moodsplanet.com /moodscondoms

संपादकीय

यह सर्वमान्य है कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनायी गयी हिंदी भाषा संपूर्ण राष्ट्र में अस्मिता का बोध जगानेवाली संजीवनी है। अतः राष्ट्र की वाणी हिंदी को जनमानस में एक अलग स्थान दिलाना और इसका अधिकाधिक प्रचार - प्रसार करके केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों के शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन देना हम सब का सामाजिक एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व ही है।

इस क्रम में हमारी कंपनी भी संघ सरकार की राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में हमेशा दत्तचित्त रहती है और राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने की ओर कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रमुखता देते हुए हमारे अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारवालों के मन में हिंदी पढने, लिखने और काम करने की जिज्ञासा पनपने की दृष्टि से तकनॉलजी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी मेला, पारंगत प्रशिक्षण, बोलचाल हिंदी क्लास आदि कार्यकलाप आयोजित करने में हम कामयाब बन गये।

यहाँ सही मायने पर कहें तो राजभाषा से संबद्ध इन सभी कार्यक्रमों एवं कंपनी की नूतन परियोजनाओं एवं सेवाओं का विस्तृत विवरण हम कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के ज़रिए दूसरों के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। मैं, अतीव खुशी के साथ कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के अठाईसवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूँ। सभी पाठकों से मेरी कामना है, हमारी राजभाषा पत्रिका का आगामी अंक अत्यधिक मनोरम, आकर्षक एवं ज्ञानार्जक बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों से हमें सदा मार्गदर्शन देते रहें।

हर्दिक शुभकामनाओं के साथ।

विनयकुमार

के.विनयकुमार,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
(मानव संसाधन)

एचएलएल - आम जनता के लिए एक सहायहस्त

मासिक धर्म संरक्षण - स्कूल विद्यार्थिनियों के लिए एचएलएल का जागरूकता क्लास

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और राज्य महिला विकास कॉर्पोरेशन, केरल सरकार के सहयोग से प्रारंभित शी-पैड योजना को सबसे अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। राज्य के स्कूलों में शी-पैड योजना के अन्तर्गत मासिक धर्म और स्वच्छता के बारे में जागरूकता शिविर एचएलएफपीपीटी के सहयोग से एचएलएल और महिला विकास कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस परियोजना से राज्य के 25000

बच्चों को जागरूकता देना लक्ष्य कर रहे हैं । विविध स्कूलों से लगभग सात हज़ार विद्यार्थिनियों ने अब तक जागरूकता शिविर में भाग लिये हैं। परियोजना के पहले कदम के रूप में 250 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। राज्य भर के सभी स्कूलों में विविध चरणों में शिविर आयोजित किया जायेगा। सभी स्कूलों में महिला गैनक्कॉलजिस्टों द्वारा क्लास लिया जायेगा।

8 नवंबर 2017 को प्रारंभ की गई परियोजना के द्वारा छः से प्लस - टु तक की विद्यार्थिनियों को एचएलएल की कनगला फैक्टरी में विनिर्मित उच्च गुणवत्तावाले पैड वितरित किया जाता है। लडकियों द्वारा पालन की जानेवाली स्वच्छता, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग, सुरक्षित रूप से इस का निपटान आदि कई मामलों पर जागरूकता क्लास स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है। स्त्री सुरक्षा के बारे में माजिक षो भी प्रस्तुत किया जाता है। विद्यार्थिनियों के लिए एचएलएल द्वारा प्रकाशित ''स्वतंत्रता से, खुशी से'' नामक बुकलेट मुफ्त रूप से वितरित किया जाता है। अनिमेषन वीडियो भी बच्चों के लिए प्रदर्शित किया जा रहा है। विद्यार्थिनियों के लिए वैयक्तिक रूप से शंका दूर करने का अवसर भी इस परियोजना में सुसज्जित किया गया है।

प्रत्येक स्कूल में एक अध्यापिका को नोडल अधिकारी के रूप में नियत किया गया है। विद्यार्थिनियों को अपनी शंकाएँ दूर करने के लिए इस अध्यापिका से संपर्क करना चाहिए। किसी भी तरह के आक्रमण का सामना करने पडी विद्यार्थिनियों को अपनी शिकायतें अधिकारियों से शेयर करने और आक्रमणकारियों को कानून के सामने लाने के लिए सरकार द्वारा लगाई गई 'मित्रा'सुविधा का उपयोग करने की ओर जागरूकता क्लास भी शिविर के भाग के रूप में दिया जाता है। मित्रा के टोलफ्री नंबर 181 में कॉल करने पर कानून सहायता सहित सुविधाएँ मुफ्त रूप से उपलब्ध की जाऐंगी।

2018 नवंबर के अन्तिम हफ्ते में कासरकोड जिले के होस दुर्ग सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल में आयोजित किये गये शिविर में काञ्ञङाड जिला अस्पताल के डॉ.टी.के.ष्रमीना ने जागरूकता क्लास लिया। स्त्री सुरक्षा के बारे में मजीशियन संधीर माडक्कत्त द्वारा माजीक षो भी चलाया गया। इस के बाद जागरूकता वीडियो प्रदर्शन भी चलाया। हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास के सहायक कार्यक्रम प्रबंधक श्री पी.वी. मधुसूदन ने योजना की व्याख्या दी।

एचएलएल वेंडिंग मशीन और इन्सिनरेटर

राज्य के 2200 स्कूलों में एचएलएल के वेंडिंग मशीन और इन्सिनरेटर। बाल अधिकार आयोग ने 2017 मई में सात से प्लस - टु तक क्लासों वाले स्कूलों में जहाँ विद्यार्थिनियाँ हैं, अनिवार्य रूप से वेडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित करने की ओर आदेश जारी किया था। बाद में, स्कूलों में एचएलएल वेन्डिगो वेडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित करने के लिए 2017 जून को डी पी आई द्वारा परिपत्र जारी किया गया।

बाल अधिकार आयोग का आदेश जारी करने के पहले ही, राज्य के बालिका स्कूलों में एचएलएल वेंडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित किया जा रहा था। कमीशन के आदेश से स्कूलों में एचएलएल के वेंडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित करना अनिवार्य बन गया है।

बाल अधिकार आयोग के आदेश से राज्य के विद्यार्थिनियों को बडी राहत मिल गयी। विकासोन्मुख होने के बावजूद भी, स्कूलों में नैपकिन प्राकृतिक रूप से निपटान करने की व्यवस्था नहीं थी, यह बडी मुश्किल की बात थी। शहर की विद्यार्थिनियों की तुलना में, गॉव के स्कूलों के विद्यार्थिनियों को इस व्यवस्था से बडी राहत और आत्मविश्वास मिला।

एचएलएल कनगला फैक्टरी में विनिर्मित गुणवत्तावाले पैड वेंडिंग मशीन से उपलब्ध किया जाता है। सैनिटरी नैपकिन प्राकृतिक रूप से निपटान करने की इन्सिनरेटर एचएलएल स्कूलों में संस्थापित किया जा रहा है।

स्कूलों में वेडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित करने के खर्च की जिम्मेदारी जिला पंचायत और ग्राम पंचायत को है। एचएलएल को राज्य के 14 जिला पंचायत और ब्लॉक पंचायत से उचित प्रतिक्रिया उपलब्ध कर रही है। इसके अलावा, तिरुवनंतपुरम शहर में स्त्रीयाँ एकत्रित स्थानों को स्त्री सौहृद केंद्र बनाने के भाग के रूप में सार्वजनिक नियोजन योजना में शामिल करके निगम द्वारा वेडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित करने का निर्णय लिया गया। सचिवालय, स्वराजभवन, निगम की सीमा में आये 91 सरकार कार्यालय आदि स्थानों में अब तक वेंडिंग मशीन संस्थापित किये गये। अन्य स्थानों में संस्थापित किया जा रहा है। तिरुवनंतपुरम निगम के अधिकांश क्षेत्रों में जलनिकास सुविधा नैपकिनों के कारण ब्लॉक हो रहा है, यह समझकर तिरुवनंतपुरम निगम वैज्ञानिक तरीके से इसका निपटान करने के लिए इस सुविधा के उपयोग करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद एचएलएल के साथ समझौता किया। यह सुविधा सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के उपलक्ष्य में विज्ञान और पर्यावरण केंद्र द्वारा लगाये गये 2017-18 के पुरस्कार तिरुवनंतपुरम निगम को मिला। कष्कूट्टम टेकनो पार्क की अधिकांश कंपनियों में एचएलएल के वेंडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित किये गये। एचएलएल ने कष्कूट्टम में कार्यारंभित राज्य के प्रथम हाई टेक बस षेल्ट में वेडिंग मशीन और इन्सिनरेटर संस्थापित किया।

एचएलएल ऑप्टिकल्स में बच्चों के लिए विशेष काउंटर

तिरुवनंतपुरम नेत्र अस्पताल में कार्य कर रहे एचएलएल ऑप्टिकल्स में बच्चों के लिए विशेष काउंटर। यह सुविधा 18 वर्ष के आयु के निचले स्तर के स्कूल बच्चों के लिए है। यहाँ से बच्चों को केरल सरकार का उद्यम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के ज़रिए आर बी एस के प्रत्येक योजना से 500 रुपए के नीचे मूल्य के चश्मा मुफ्त रूप से उपलब्ध होता है। बच्चों के लिए राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना है राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम। एचएलएल का पहला ऑप्टिकल्स शोप नेत्र अस्पताल में 2012 को शुरू किया गया है।

एचएलएल ऑप्टिकल्स में रेयबान, पोलीस, स्टेप्पर, नोवा आदि ब्रांडेड चश्मा के बडे संग्रह है। ब्रांडेड चश्मा को 50% तक छूट और अन्य चश्मा को 70% तक छूट में एचएलएल ऑप्टिकल्स देता है। कर्मचारियों को 20% तक अधिक छूट भी देता है। अब केरल के विविध स्थानों में 6 ऑप्टिकल्स शोप कार्य कर रहे हैं। तिरुवनंतपुरम जिले के तिरुवनंतपुरम सरकारी नेत्र अस्पताल में एक शोप है ।

के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, एचएलएल के नये अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संघ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 01 अप्रैल, 2019 को एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड और उसकी समनुषंगी कंपनियों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में श्री के. बेजी जोर्ज, आई आर टी एस को नियुक्त किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लियु) के अपर सचिव श्री अरुण सिंघाल, आई ए एस से कार्यभार ग्रहण कर लिया है। 1990 बैच के आई आर टी एस अधिकारी श्री बेजी जोर्ज सीटीपीएम दक्षिण रेलवे, सिकंदराबाद में सेवारत रहे हैं। उन्होंने इलाहाबाद कृषि संस्थान, इलाहाबाद से सिंचाई की डिग्री प्राप्त की हैं और फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और इंपीरियल कॉलेज, लंदन, यु के में भी अध्ययन किया है। श्री बेजी जोर्ज केरल के तिरुवल्ला, से हैं, उन्होंने अपनी स्कूल शिक्षा सेंटज़ेवियर्स बोकारो में की। डॉ. शीना जोर्ज उनकी पत्नी और पल्लवी बेटी है।

वर्तमान में, एचएलएल ग्रूप में सात यूनिट शामिल हैं : मूल कंपनी एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड; एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एचबीएल); एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्वीसस लिमिटेड (हाइट्स);लाइफ़स्ट्रिंग अस्पताल; गोवा एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स (जीएपीएल); हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी); और एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए)।

एचएलएल के हिंदी कार्यान्वयन की झांकियाँ

हिंदी पखवाड़ा - समापन समारोह

एचएलएल के हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह का उद्घाटन 05 अक्तूबर, 2018 को पेरूरकड़ा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित समारोह के अवसर पर श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), एचएलएल ने किया। उन्होंने कहा कि नौ बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त कंपनी को पिछले तीन सालों से यह पुरस्कार नहीं मिल रहा है। इसलिए पुनः इस पुरस्कार के लिए हकदार बनने के लिए हमें प्रतिबद्धता के साथ एकजुड होकर परिश्रम करना चाहिए। आगे, एचएलएल के निदेशक (वित्त) डॉ.गीता शर्मा ने आशीर्वाद भाषण दिया। कंपनी के उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ.वी.के.जयश्री और कंपनी सचिव एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री पी.श्रीकुमार ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। इस समारोह में कंपनी के उच्च अधिकारियों, संघ नेताओं एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा चल वैजयंती

एचएलएल के यूनिटों में प्रभावी तौर पर राजभाषा निष्पादन लाने के उद्देश्य से कंपनी में एक राजभाषा चल वैजयंती संस्थापित की गयी है। इस बार इस पुरस्कार के लिए हकदार बन गयी है राजभाषा कार्यान्वयन में प्रथम स्थान पर आयी एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी। श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), एचएलएल ने पेरूरकड़ा फैक्टरी के यूनिट प्रधान श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै को यह पुरस्कार प्रदान किया। बाद में, श्री ई.ए.सुब्रमण्यन ने, हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान कंपनी के अधिकारियों/

कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं, एस एस एल सी/सी बी एस ई/+2 परीक्षाओं में हिंदी विषय में 'ए' ग्रेड या अधिक अंक प्राप्त कर्मचारियों के बच्चों, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रबोध/प्रवीण/प्राज्ञ परीक्षाओं में उत्तीर्ण कर्मचारियों,कंपनी में कॉलेज विद्यार्थियों के लिए आयोजित राजभाषा सेमिनार के विजेताओं,वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेताओं, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के लिए आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं और 'रोज़ एक शब्द पढिए' कार्यक्रम के अधीन चलायी गयी 'स्मरण परीक्षा' के विजेताओं को, पुरस्कार प्रदान किये।

स्कूल विद्यार्थियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता

हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार - प्रसार करते हुए स्कूल के बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति विशेष लगाव जगाने की ओर, एचएलएल के कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रम के अधीन 07.02.2019 को चिन्नम्मा मेम्मोरियल गेल्स हायर सेकंडरी स्कूल, महिलामंदिरम, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम के विद्यार्थियों (प्लस टु, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल एवं प्राइमरी स्तर) के लिए हिंदी सुलेख, हिंदी वक्तृता, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी कविता पाठ और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इस कार्यक्रम में स्कूल के हेडमिस्ट्रस श्रीमती शांति.टी.एस और एचएलएल के उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ.वी. के.जयश्री और डॉ.सुरेष कुमार.आर, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने भाषण दिया। इस प्रतियोगिता में करीब 90 विद्यार्थियों की भागीदारी हुई। बाद में, स्कूल में आयोजित समारोह में सभी विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

विश्व हिंदी दिवस

विश्व भाषा के पद पर विराजित हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी का बोलबाला आज साहित्य के क्षेत्र में मात्र नहीं कंप्यूटर, वाट्सआप जैसी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी है। इसलिए कंपनी के कर्मचारियों को इसके प्रति अवगत कराने के लिए विश्व हिंदी दिवस यानी 10 जनवरी 2019 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एस बी आई के चीफ प्रबंधक श्री पी.अनिकुमार ने फोटो अनुवाद, वॉइस टाइपिंग जैसे गूगिल में उपलब्ध विभिन्न नयी प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया। इस कार्यक्रम से 20 अधिकारियों/कर्मचारियों ने लाभ उठाया।

तकनॉलजी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंप्यूटर एवं मोबाइल में हिंदी सॉफ्टवेयर अप्लोड करके हिंदी में काम करने की तरीका से परिचित कराने की ओर 5 फरवरी 2019 को पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित तकनॉलजी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री अनिल कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई ने इन्सक्रिप्ट कीबोर्ड, गूगिल हिंदी अनुवाद, गूगिल इंडिक, हिंदी वॉयस टाइपिंग एवं फोटो अनुवाद आदि के बारे में क्लास लिया और इससे 16 अधिकारियों ने लाभ उठाया। एचएलएल के डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला।

हिंदी पारंगत प्रशिक्षण

राजभाषा विभाग, गृह मंत्राल, नई दिल्ली के निर्देशानुसार हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य विशेषतः टिप्पण एवं आलेखन स्वयं हिंदी में भी करने के लिए पारंगत कराने की ओर एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 15.02.2019 से पारंगत प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह में हिंदी पुरस्कार वितरण

हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी की आन और शान को मानते हुए हम गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी 2019) में राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में प्रथम स्थान पर आये एचएलएल निगमित मुख्यालय के सुरक्षा विभाग को अग्रणी अनुभाग चल वैजयंती एवं नकद पुरस्कार और हिंदी में मूल रूप से टिप्पण एवं आलेखन कार्य किये अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार भी एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन द्वारा प्रदान किये गये। यह अग्रणी अनुभाग चल वैजयंती मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री तंपी.एस.दुर्गा दत्त ने स्वीकार किया।

हिंदी कार्यशाला

कंपनी के प्रत्येक स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारियों को हिंदी से संबंधित सूचनाओं से अध्यतन करने और अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने की ओर आवश्यक ज्ञान एवं प्रशिक्षण देने के लिए कई तरह की हिंदी कार्यशालायें - फैक्टरी स्टॉफ के लिए राजभाषा नीति पर पुनश्चर्या कार्यक्रम (18.9.2018), अधिकारियों के लिए राजभाषा नीति और डिजिटल आप्लिकेशन पर प्रशिक्षण (19.9.2018), संघ नेताओं के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम (3.10.2018), कार्यपालकों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम (4.10.2018) - आयोजित की गयीं और इससे अपने कर्मचारियों ने खूब लाभ उठाया। इस अवसर पर कंप्यूटर एवं मोबाइल के ज़रिए हिंदी में काम करने की विविध तरीकाओं से कर्मचारियों को अवगत कराया गया।

विश्व मातृभाषा दिवस और हिंदी मेला

मातृभाषा की महत्ता को मानते हुए विश्व मातृभाषा दिवस यानी 21 फरवरी 2019 को एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एचएलएल की पेरूरकडा फैक्टरी में सजधज के साथ आयोजित हिंदी मेला में विभिन्न कार्यालयों से 22 कर्मचारियों की उपस्थिति हुई। इस बार पूर्वाह्न 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हिंदी मेला में कविता, सिनेमा गीत, लोक गीत,देशभक्ति गीत, स्किट, मिमिक्रि, अंताक्षरी आदि मलयालम और हिंदी में पेश किये गये।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को अतीव प्रमुखता देते हुए कंपनी के सभी यूनिटों में संघ सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने और इस प्रकार सभी कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने की ओर एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 25 जनवरी 2019 को आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन एचएलएल का वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्री के.विनयकुमार द्वारा किया गया। राजभाषा सेमिनार का विषय था - 'आज के परिदृश्य में एचएलएल को एक निष्पादनशील संगठन बनाने के लिए कर्मचारियों की भूमिका'। इसमें हमारे विभिन्न यूनिटों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी हुई। एचएलएल कनगला यूनिट के श्री पी.वी.पाटील, अधिकारी को प्रथम स्थान और श्रीमती अर्षिता पाहवा, उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। तीसरे स्थान पर डॉ.संतोषकुमार शुक्ला, प्रबंधक (एचसीएस), लखनाउ पहुँच गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) अपने प्रथम चरण से लगातार तीसरी बार केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण - पश्चिम क्षेत्र के केंद्र सरकार, उपक्रम एवं बैंक के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थापित क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (दूसरा स्थान) के लिए हकदार बन गयी। 14.02.2019 को कोच्चिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड तकनॉलजी (कुसाट), कोच्चि में आयोजित दक्षिण - पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में केरल के सम्माननीय राज्यपाल न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) श्री पी. सदाशिवम के करकमलों से एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्री के.विनयकुमार ने यह राजभाषा शील्ड स्वीकार किया।

संघ सरकार की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट निष्पादन के सिलसिले में केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के लिए लगाये गये क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (दूसरा स्थान), तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) को प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के लिए उल्लेखनीय योगदान दिये डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) ने कोच्चिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड तकनॉलजी (कुसाट), कोच्ची में 14.02.2019 को आयोजित दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में केरल के राज्यपाल न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) श्री पी. सदाशिवम से प्रशस्ति पत्र हासिल किया।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रथम स्थान प्राप्त प्रस्तुतीकरण

आज के परिदृश्य में एचएलएल को एक निष्पादनशील संगठन बनाने के लिए कर्मचारियों की भूमिका

पी.वी.पाटील
अधिकारी -1
एचएलएल कनगला फैक्टरी

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब भारत में जनसंख्या का विस्फोट होने लगा तब भारत सरकार ने यह निर्णय लिया कि जनसंख्या पर रोक लगाने के लिए कुछ उपाय बनाने पडेंगे। इसी प्रकार सरकार द्वारा राष्ट्रीय परिवार नियोजन का काम हाथ में लेकर यह दायित्व एचएलएल लाइफ़केयर पूर्व हिंदुस्तान लैटेक्स लिमिटेड पर सौंपा गया। इसी वजह से भारत माता के चरण स्पर्श से पावन मनमोहक एवं नयनाकर्षक केरल राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 1 मार्च 1966 को हिंदुस्तान लैटेक्स लिमिटेड (अब एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड) के प्रयाण की शुरुआत हुई। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से परिवार नियोजन और स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों के विनिर्माण का पेड पेरूरकडा में लगाये गये। वह पेड आज ''वटवृक्ष'' बनकर अपनी साया में सारी दुनिया को स्वास्थ्य रक्षा एवं परिवार कल्याण सेवाओं के फल बाँट रहा है। उसी पेड के अन्य बीज कनगला (बलगाम) ओडिषा, मनेसर, इंदौर, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नै, दिल्ली, हरियाणा, गोवा आदि गाँवो में लगाये गये हैं। इन यूनिटों में परिवार कल्याण के लिए आवश्यक चीजों का विनिर्माण होता है और दुनिया भर इनका विपणन भी हो रहा है।

आज हमारे लिए अनमोल पल है क्योंकि हम अपनी संस्था के स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। एचएलएल पिछले पाँच दशकों से भारत के स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के विकास के लिए प्रथम श्रेणी में कार्य करके आज विश्व के जानेमाने ब्रांड बन गया है। छोटे व्यवसाय से भी एक बृहत संस्था का निर्माण कर सकता है। इसका उत्तम सबूत है एचएलएल का इतिहास। आज एचएलएल जैसी केंद्र सरकार की कंपनी के अधीन हाइट्स, जीएपीएल, एचबीएल, एचएमए, मातृ-शिशु अस्पताल, लाइफस्प्रिंग अस्पताल और एचएलएफपीपीटी आदि उप केंद्र, 7 फैक्टरियाँ एवं 22 क्षेत्रीय कार्यालय हैं और 115 देशों में अपनी मौजूदगी भी सुनिश्चित की गयी है। इस अभूतपूर्व विकास एवं विजय में साझेदार होने में हमें गर्व महसूस करना चाहिए। आज एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड विश्व में सबसे अधिक कंडोम (वार्षिक 1640 दशलक्ष अदद) उत्पादन करनेवाली मिनिरत्ना कंपनी के रूप में प्रसिद्ध है। एचएलएल के फ्लागशिप ब्रान्ड 'मूड्स' को लगातार दूसरे वर्ष में भी प्रतिष्ठित सूपर ब्रान्ड पदवी प्राप्त हुई है।

प्रतीक्षा धर्मार्थ पहल

एचएलएल सी एस आर कार्यक्रम के अधीन कंपनी द्वारा केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के करकुलम और कनगला जिले के बलगाम गाँव के अनेक छात्रों तथा जनताओं को शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवायें दी जाती हैं। बीपीएल स्तर के तांत्रिक, फार्मा, आईटीआई डिप्लोमा, इंजीनियरी पढने के लिए इच्छुक छात्रों को छात्रवृत्ति भी देती है।

आज के परिदृश्य में एचएलएल

गत 4 वर्षों से एचएलएल को विभिन्न समस्याओं का मुकाबला करना पड़ रहा है। भारत सरकार की नीति आयोग की ओर से कमज़ोर सरकारी उद्यमों को निजीकरण की कोटि में शामिल की गयी है। इस में एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड भी है। आज एचएलएल 1500 करोड़ रुपए से ज्यादा हानि में है। बीते चार सालों से कच्चा माल, इंधन, पैकिंग सामग्री, मशीन के पुर्जे, कर्मचारियों का वेतनमान, यातायात आदि के भाव बढ़ते आते हैं लेकिन मार्किट में उत्पाद की कीमत कम हो रही है। जिससे एचएलएल को कंडोम के लिए आदेश भी बंद हो गया है। उत्पादन की कीमत बढ़ जाने से कंपनी को ज्यादा नुक्सान भी हो रहा है। आज शासकीय और सरकारी उत्पाद के विपणन क्षेत्र में बड़ी स्पर्धाएँ चल नही हैं। इन समस्याओं को हल करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव निम्न जैसे हैं -

- आज एचएलएल के कंडोम उत्पाद के सभी संयंत्र बंद हो गए हैं, आदेश आने तक ये बंद रह जाएंगे। इसलिए हमको इन संयंत्रों का आउटसोर्सिंग करना होगा।
- ओ सी पी स्टिरोइड/नॉन स्टिरोइड प्लॉट में नए-नए उत्पादों का विनिर्माण करना होगा, नहीं तो इस प्लॉट में भी आउटसोर्सिंग करना होगा (ऑर्डर आने तक)।
- कंपनी को अन्य उत्पादों के विभाग (संयंत्र) को भी आउटसोर्सिंग करके श्रमशक्ति को अन्य जगहों में स्थानांतरित करके काम चलाना होगा। सभी कर्मचारियों को आज फ्लेक्सिबिलिटी (जहाँ ज़रूरत है वहाँ पर काम के लिए तैयार होना) से काम करना होगा। पूरे 8 घंटे तक कंपनी के कोई भी काम (जैसा पैकिंग, डिसपैच, अनुरक्षण, सफाई, हाउस कीपिंग, प्रशासनिक कार्य आदि) करने के लिए तैयार होना।

हमारे सैनिटरी नैपकिन संयंत्र को ऑर्डर है। वहाँ की उत्पाद सूची के अनुसार उड़ीसा सरकार की

वज़ह से षी - पैड, हैप्पी डेइज़ जैसे उत्पादों का बहुत अच्छा ऑर्डर मिल रहा है, यह हमारा भाग्य है, लेकिन हमारे पास नैपकिन उत्पाद के केवल दो मशीन हैं। इसको केवल वार्षिक 400 दशलक्ष अदद नैपकिन पैड की क्षमता है। इसलिए कम समय में ज्यादा उत्पाद का विनिर्माण मुश्किल है। हमको नैपकिन के और एक संयंत्र खोलना चाहिए। अन्य जगह पर जैसे दक्षिण भारत में नैपकिन संयंत्र नहीं है। एचएलएल के अन्य संयंत्र में नैपकिन संयंत्र संस्थापित करने से भी लाभ मिलेगा। आज हमारे हैप्पी डेइज़ नैपकिन का भी बहुत ऑर्डर है। बाज़ार में हैप्पी डेइज़ सैनिटरी नैपकिन ज़्यादा उपलब्ध नहीं है। बाज़ार से 5 रुपए में एचएलएल के 6 हैप्पी डेइज़ नैपकिन मिलते हैं। अन्य कंपनियों के नैपकिन की कीमत रु.40 से रु.199 तक है। हमारा उत्पाद सस्ता एवं गुणवत्ता है। लेकिन विज्ञापन से विपणन बढाने की जरूरत है। पूरे भारत में इस उत्पाद का लॉंच करने से कंपनी को ज़्यादा लाभ मिलेगा और साथ ही हमारे कर्मचारियों को भी ज़्यादा काम मिलेगा। आज केवल मेडिकल दूकान से यह नैपकिन मिलता है, उसे सभी दूकानों जैसे रेशनिंग की दूकानों, ब्यूटी पार्लरों में उपलब्ध कराना होगा। वेंडिंग मशीन के साथ नैपकिन का मार्केटिंग करने से हमको ज़्यादा लाभ होगा।

हमारा यूनिपिल हॉर्मोन प्लॉट (डब्लियु एच सी) गत चार सालों से तैयार है। हाल में हमको अंतर्राष्ट्रीय मानक (डब्लियु एच ओ) प्रमाण-पत्र मिला है। इस उत्पाद के लिए ऑर्डर मिलना है। हमने अन्य उत्पाद के सैंपिल (नमूना उत्पाद) बनाए है। हमको डब्लियु एच ओ उत्पाद का ऑर्डर आने से यह प्लॉट चालू हो जाएगा। पिछले चार सालों से इस यूनिट का खर्च बहुत बडा है।

डब्लियु एच ओ यूनिपिल प्लॉट का प्रयोगशाला अत्याधुनिक है। इस काम के लिए हम इस प्रयोगशाला का उपयोग कर सकते हैं। एचपीएलसी प्रणाली के अनुसार अन्य फर्मों के उत्पाद जाँच रिपोर्ट के अनुसार दे सकते हैं। इसके लिए हमारे पास एनएबीएल नामक आई एस ओ 17025 लैब गुणवत्ता प्रमाणपत्र होना ज़रूरी है। आज के परिदृश्य में अगर यूनिपिल फॉर्मा में ज़्यादा उत्पाद नहीं बनता है तो हमें आउटसोर्सिंग करना पडेगा। हमारे कर्मचारियों को अन्य विभाग में स्थानांतरित करना पडेगा। इससे कंपनी को लाभ होगा।

कंपनी के "अनुमोदित विक्रेता" की सूची तथा ड्रग्स एवं केमिकल सप्लायर्स, तांत्रिक, कच्चा एवं पैकिंग सामग्रियों के सप्लायर्स सभी को और भी विस्तार करना है।

- एचएलएल को कंपनी के भंडार इनवेंट्री पर ध्यान देना होगा। मेटीरियल स्पेअर्स, पी ओ राइस्ड, खरीदी पर नियंत्रण होना ज़रूरी है। ज़रूरत से ज्यादा भंडारण करना नुकसान है। एचएलएल के भंडारण में फ्लेक्सिबिलिटी लाना चाहिए यानी एक प्लॉट से दूसरे प्लॉट तक वस्तुएं या चीज़ें ले जाना, इससे कंपनी को लाभ होगा।
- एच बी एल वैक्सीनों को ज़्यादा विपणन मिलना है। प्रेग्नन्सी टेस्ट किट को भी इमदाद दर पर विपणन करने से माँग बढ़ जाएगी।
- सैनिटरी नैपकिन के अपशिष्ट से हमें बच्चों के हग्गीस जैसे अन्य कपडों के चीज़ बनाने का छोटा संयंत्र खोलने से हमको ज्यादा लाभा मिलने के साथ ही हमारे कर्मचारियों को भी काम मिलेगा।
- पुराने अपशिष्ट सामग्रियों को सही तरीके से उपयोग करने पर कंपनी को लाभ होगा।

हमारे कर्मचारियों को जो भी काम मिलते हैं वह सब पूरे 8 घंटा सच्चे दिल से करते हैं। हम सब, अपनी कंपनी को लाभ में लाने के लिए कोई भी काम करने के लिए तैयार हैं। कंपनी की संपत्ति को अपना ही समझकर उसका ख्याल रखना और सच्चाई से दिल लगाकर काम करना, यह सभी कर्मचारियों का कर्तव्य ही है। अब हम सब पूरे दिल से यह कर्तव्य निभाकर कंपनी को लाभ में लाने की सोच में हैं। साथ ही कंपनी की उत्पादकता बढाकर जनता की स्वास्थ्यरक्षा एवं हरेक परिवार की सुख-शांती बनाये रखने की कामना भी करते हैं।

थोडी संतान - हो गुणगान
सभी परिवार का हो कल्याण
जनता की स्वास्थ्यरक्षा
एचएलएल का यही है योगदान।

सर्जनशीलता

कस्तूरबा गाँधी

सुधीष.एम
ऑपरेटर क्यु & ए
एचएलएल - के एफ सी

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का नाम सर्वप्रथम लिया जाता है। कस्तूरबा, महात्मा गाँधी की धर्म पत्नी थी। स्वतंत्रता संग्राम में कस्तूरबा गाँधी ने सदा समय गाँधीजी का साथ दिया। ये भारत की महान महिलाओं में से एक है।

कस्तूरबा गाँधी का जन्म 11 अप्रैल, 1869 को गुजरात में हुआ था। उनके पिता गोकुलदास जी एक जाने-माने व्यापारी थे। उन दिनों स्त्रीयों की औपचारिक शिक्षा की तरफ ध्यान नहीं दिया जाता था। घर में रहकर ही उन्होंने हिंदु संस्कार ग्रहण किए। वे धार्मिक विचारों की महिला थीं। कस्तूरबा का विवाह बचपन में ही हो गया था। उन्होंने तीन पुत्रों को जन्म दिया। कस्तूरबा शुरू में जातपांत, ऊँच-नीच को मानती थीं। पर गाँधी जी के साथ रहकर उनके विचारों में बहुत बदलाव आया। उन दिनों समाज में छुआछूत की भावना फैली थी। कस्तूरबा ने एक हरिजन कन्या को गोद लेकर उसका लालन-पालन किया। उन्होंने गाँधी जी के हर विचार व काम को लोगों तक पहुँचाया।

गाँधीजी जब 1898 में विलायत गए तो कस्तूरबा भी उनके साथ गईं, भारतीयों की दशा सुधारने के लिए उन्होंने बहुत काम किए। वे बहुत सहनशील महिला थीं। गाँधीजी यदा-कदा उन पर नाराज़ होते परंतु कभी इसकी शिकायत नहीं की।

गाँधीजी का आश्रम चलाने का पूरा उत्तरदायित्व कस्तूरबा पर था। वे सभी काम अपने हाथों से करती। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। दिन-रात काम में जुटे रहने के कारण वे अस्वस्थ रहने लगीं और उनकी बीमारी बढ़ती गई। उन्हीं दिनों गाँधीजी के निजी सचिव देसाई भाई का देहांत हो गया। कस्तूरबा उन्हें अपना पुत्र मानती थीं। बीमारी की हालत में कस्तूरबा यह सहन न कर सकी और उनका स्वर्गवास 22 फरवरी, 1944 को हो गया। भारत की महान महिलाओं में उनका नाम सदा आदर से लिया जाता रहेगा।

राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी उपयोगिता

पिराजी वी.पाटील
अधिकारी-1, भंडार विभाग
एचएलएल कनगला फैक्टरी

राष्ट्र शब्द का प्रयोग किसी देश तथा वहाँ बसने वाली जनता दोनों के लिए होता है। प्रत्येक राष्ट्र का अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखता है। उसमें अनेक जातियों और धर्मों को माननेवाले लोग सम्मिलित रहते हैं। विभिन्न प्रांतों के निवासी, विभिन्न प्रकार की भाषा बोलते हैं। इस विभिन्नता के साथ-साथ उनमें एकता भी रहती है। पूरे राष्ट्र का शासन एक ही केंद्र से होता है। अतः राष्ट्र की एकता को और भी दृढ़ बनाने के लिए एक ऐसी भाषा की आवश्यकता होती है, जिसका उपयोग पूरे राष्ट्र के महत्वपूर्ण कार्यों में किया जाता है। केंद्र सरकार के कार्य भी उसी भाषा में होता रहता है। ऐसी व्यापक भाषा राष्ट्रभाषा कही जाती है।

दुनिया में हर देश की अपनी - अपनी मातृभाषा होती है। उस भाषा के द्वारा ही वे अपने आचार - विचारों का अदान - प्रदान कर सकते हैं। बड़े बड़े राष्ट्र के नेताओं ने भी कहा है कि, संसार में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं होगा, जिसे अपनी मातृभूमि और राष्ट्रभाषा से प्रेम ना हो।

देश में राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है। क्योंकि 'राष्ट्र' शब्द में सामूहिक चेतना की भावना रहती है। जिसमें पूरे देश के निवासियों की भावना रहती है। जो पूरे देश के निवासियों की भावना से संबंधित होती है। ऐसी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए हमें सार्वभौमिक भाषा अपेक्षित है। उस सार्वभौमिक भाषा को 'राष्ट्रभाषा' कहलाती है।

'हिंदी' हमारी राष्ट्रभाषा है और भारत में 14 सितंबर, 1949 को 'हिंदी' राजभाषा के रूप में अपनायी गयी। जिसकी लिपि 'देवनागरी' है। देवनागरी लिपि में हर ध्वनि के लिए निश्चित संकेत होने के कारण जो कुछ लिखता है उसी तरह उच्चरित किया जाता है। पाठक को अपनी ओर से कुछ जोड़ने या छोड़ने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसी कारण यह लिपि सर्वाधिक वैज्ञानिक मानी जाती है। राष्ट्रभाषा का क्षेत्र व्यापक होता है। पराधीन देशों में भी अनेक भाषाएँ फूलती फलती हैं। उसका केंद्रीय राजकाज उसकी राष्ट्रभाषा में होता है। इसका उन्नत रूप प्रायः सभी अहिंदी भाषा को भी मान्य हो जाएगा।

राष्ट्रभाषा के लिए आवश्यक गुण 'हिंदी' में है। राष्ट्रभाषा हिंदी देश की अधिकांश जनता की भाषा है। उसको लिखने-पढ़ने तथा समझने वाले प्रायः सभी प्रान्तों में है। राष्ट्रभाषा हिंदी उन्नत तथा हर प्रकार के ज्ञान - विज्ञान की बातों को व्यक्त करने में समर्थ है। राष्ट्रभाषा की लिपि तथा शब्दावली वैज्ञानिक, सुंदर तथा सरल है। इस भाषा में उन्नत साहित्य दर्शन, जोतिष आदि विषयों की पुस्तकें हैं। राष्ट्रीयता के विकास में राष्ट्रभाषा सहायक सिद्ध होती है।

राष्ट्रभाषा का कार्य राष्ट्र निर्माण का है। राष्ट्रभाषा राष्ट्रीयता और राष्ट्र विकास का कार्य कर सकती है। वह राष्ट्र के हृदय की वाणी है। राष्ट्रभाषा राष्ट्र के विभिन्न तत्व, धर्म, समाज और अनेक जाती के लोगों को एक झंडे के नीचे इकट्ठा करके, उनमें राष्ट्रभावना बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। इस प्रकार राष्ट्रभाषा न किसी प्रांत, धर्म, समाज, संप्रदाय या जाति की बल्कि वह संपूर्ण राष्ट्र की भाषा है। किसी भी भाषा के प्रति लोग आकृष्ट होते हैं जब कि उसमें उच्चतम साहित्य है। राष्ट्रभाषा देश की नीति, धन और ज्ञान का भंडार है।

भक्तिकाल हिंदी का स्वर्ण युग था। इस काल में काव्यगत तत्वों और भाषा की शक्ति में अपार वृद्धि हुई। मानस की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए आचार्य रामचंद्र शुल्क का कथन है - मानव प्रकृति के जितने अधिक रूपों के साथ गोस्वामीजी के हृदय का रागात्मक सामंजस्य हम देखते हैं, उतना अधिक हिंदी भाषा के और किसी कवि के हृदय का नहीं। इस तरह हिंदी भाषा के अनेक कवियों ने हिंदी को समृद्ध किया है।

भारत जैसे विशाल राष्ट्र के लिए, जिसमें अनेक जाति, धर्म और परंपरा को मानने वाले लोग हैं। जहाँ अनेक प्रान्तीय भाषाएँ बोली और लिखी-पढ़ी जाती हैं, लेकिन हिंदी ही राष्ट्रभाषा बन गयी है। क्योंकि भारतीय समाज की सबसे बडी यह विशेषता है, अनेकता में एकता, विषमता में समता, विभिन्नता में सहयोग। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि विभिन्न प्रकार के लोगों को उनकी जातिगत विशेषता के साथ उन्हें अपने में आत्मसात कर लेती है। इसी प्रकार हिंदी एक ऐसी भाषा है, जो भारत की राष्ट्रीयता को अविकल रखते हुए पूरे देश की राष्ट्रभाषा बन सकती है।

भारत एक स्वतंत्र देश है और अपनी राष्ट्रभाषा की उन्नती का प्रयत्न कर रहा है। आशा है कि हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी को निकट भविष्य में विश्व की राष्ट्रभाषाओं में श्रेष्ठ मानी जाएगी। राष्ट्रभाषा के विकास में ही देश की उन्नति निहित है तो हम आशा करते हैं कि,

' एक हृदय की हो जननी
जिसकी हिंदी हृदय की वानी ।'
' मुगल काल में जन्मी,
अंग्रेज़ी शासन में पनपी,
स्वराज्य में जो है तिरस्कृत,
उस माँ का नाम 'हिंदी' '

होली : रंगों का त्योहार

रामचंद्र पिराजी पाटील
श्री पिराजी वी.पाटील का सुपुत्र
एचएलएल कनगला फैक्टरी

होली हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह मौज-मस्ती व मनोरंजन का त्योहार है। सभी हिंदु जन इसे बड़े ही उत्साह व सौहार्दपूर्वक मनाते हैं। यह त्योहार लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करता है।

होली का पर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस पर्व का धार्मिक, पौराणिक व सामाजिक महत्व है। इस त्योहार को मनाने के पीछे यह पौराणिक कथा प्रसिद्ध है। प्राचीनकाल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा ने ब्रह्मा के वरदान तथा अपनी शक्ति से मृत्युलोक पर विजय प्राप्त कर ली थी। अभिमानवश वह स्वयं को अजेय समझने लगा। सभी लोग भय से उसे ईश्वर के रूप में पूजते थे परन्तु उसका पुत्र प्रहलाद ईश्वर पर आस्था रखने वाला था। जब उसकी ईश्वर भक्ति को खंडित करने के सभी प्रयास असफल हो गए तब हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को यह आदेश दिया कि वह प्रहलाद को गोद में लेकर जलती हुई आग की लपटों में बैठ जाए क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान मिला था। परन्तु प्रहलाद के ईश्वर पर दृढविश्वास के कारण उसका बाल भी बांका न हुआ और स्वयं होलिका जलकर राख हो गई। तभी से होलिका दहन परम्परागत रूप से हर फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

होलिका दहन के दिन रंगों की होली होती है जिसे दुल्हैडी भी कहा जाता है। इस दिन बच्चे, बूढ़े और जवान सभी आपसी बैर भूलकर होली खेलते हैं। सभी होली के रंग में सराबोर हो जाते हैं। वे एक दूसरे पर रंग डालते हैं तथा गुलाल लगाते हैं। बृज की परम्परागत होली तो विश्वविख्यात है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। इस दिन चारों ओर रंग बिरंगे चेहरे दिखाई पड़ते हैं। पूरा वातावरण ही रंगीन हो जाता है। दोपहर के बाद सभी नए वस्त्र धारण करते हैं। अनेक स्थानों पर होली मिलन समारोह आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी लोग मित्रों व संबंधितों के पास जाकर उन्हें गुलाल व अबीर का टीका लगाते हैं तथा एक दूसरे के गले मिलकर शुभकामनाएँ देते हैं।

होली का त्योहार प्रेम और सद्भावना का त्योहार है परन्तु कुछ असामाजिक तत्व प्रायः अपनी कुत्सित भावनाओं से उसे दूषित करने की चेष्टा करते हैं। वे रंगों के स्थान पर कीचड़, गोबर अथवा वार्निश आदि का प्रयोग कर वातावरण को बिगाड़ने की चेष्टा करते हैं। कभी-कभी शराब आदि का सेवन कर महिलाओं व युवतियों से छेडछाड़ की कोशिश करते हैं। हमें ऐसे असामाजिक तत्वों से सावधान रहना चाहिए। आवश्यकता है कि हम सभी एकजुट होकर इसका विरोध करें ताकि त्योहार की पवित्रता नष्ट न होने पाए। होली का पावन पर्व यह संदेश लाता है कि मनुष्य अपने ईष्या - द्वेष तथा परस्पर वैमनस्य को भुलाकर समानता व प्रेम का दृष्टिकोण अपनाएँ। मौज-मस्ती व मनोरंजन के इस पर्व में हँसी-खुशी से सम्मिलित हों तथा दूसरों को भी सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करें। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इसकी मूल भावना को बनाए रखें ताकि भावी पीढियाँ इससे गौरवान्वित हो सकें।

हाथ मिलाओ : हमें केरल का पुनरुत्थान करना है

अभिलाष.सी.यु
प्रबंधक (सी ए एस)
एचएलएल निगमित मुख्यालय

जब कभी भारत में कहीं बाढ़ की खबर अखबारों में आती थी, तब केरल के वयोवृद्ध के मुख से ऐसे ही निकलते थे 'निन्यानब्बे की बाढ'। केरल में 1924 को हुई बाढ़ को ही केरल में अब तक हुए महाप्रलय मानता था। मगर 1924 की बाढ की तुलना में अगस्त 2018 में हुई बाढ़ से लोगों को बडा नुकसान हुआ।

वास्तव में इतना नुकसान पूर्व सूचना के बिना बांध खोलने की वजह से हुआ था। इसलिए बांध खोलते ही बडी मात्रा में पानी घरों में पहूँचने के कारण लोग अपने हाथ में मिले सामान लेकर अपना घर सब कुछ छोडकर भागने लगे। उस समय सब लोग अपने प्राण बचाने की चिंता में थे। बाढ शांत हो जाने पर कई लोगों को यह मालूम हुआ कि उनके घर, सामान सब नष्ट हो गये हैं, ईश्वर की कृपा से अपना प्राण ही बचा है। इस अवस्था में इन लोगों की मदद करने के लिए केरल की जनता एकजुड होकर आगे आयी। स्त्री - पुरुष, बूढे एवं बच्चों ने भी एक साथ मिलकर बडी उत्सुकता के साथ स्वयंसेवक के रूप में इस पुनरुत्थान कार्य में भाग लिये। यह कथनीय एवं महत्वपूर्ण बात ही है कि उच्च - निम्न, अधिकारी - कर्मचारी जैसे किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना समाज के विभिन्न स्तरों में काम करने वाले लोग कंथे से कंथे मिला कर इस कार्य के लिए आगे आये। इस बाढ से सडक, पुल, विद्यालय, कॉलेज, अस्पताल, घर आदि विभिन्न भागों में बडी मात्रा में क्षति पहूँची है। हमें तीन - चार जिलाओं का नवनिर्माण करना पडेगा। जिन लोगों के घर नष्ट हो गये हैं उनका पुनर्वास करना पडेगा।। इसके लिए भारी रकम की आवश्यकता है। आज केरल को सामना करने वाली एक बडी समस्या यह ही है। इसकी ओर केरल सरकार भी असमंजस में पड गयी है।

इसके लिए देशभर के विभिन्न स्तर के लोग पहले ही मदद कर चुके हैं। अनेक विदेश राज्यों से मदद मिली है और कई विदेश राज्यों ने आगे मदद करने की चाह व्यक्त की है। फिर भी नव केरल निर्माण के लिए यह काफी नहीं है। केरल के पुनरुत्थान के लिए मुख्य मंत्री राहत निधि खोली गयी है। इसमें जो चाहे रुपया दे सकते हैं। इसके लिए केरल के हरेक आदमी को आगे आना चाहिए। इस बाढ़ की वजह से अनेक लोगों के घर, घन, सपने सब नष्ट हो गये हैं। उन सभी के घरों में खुशियाँ वापस लानी है।

इस बाढ से हमें यह सबक मिला है कि अपनी सुखसुविधाओं के लिए प्रकृति के साथ बुरा बर्ताव नहीं करना चाहिए। पेड काटना, खेत भरकर मकान बनाना, पानी बहने वाली नाली सब बंद करके घर के लिए रास्ता बनाना ये सब करने से हम अपना ही गड्ढा खोद रहे हैं। अगर हम ये सब बंद नहीं करेंगे तो, आगे भी हमें इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पडेगा।

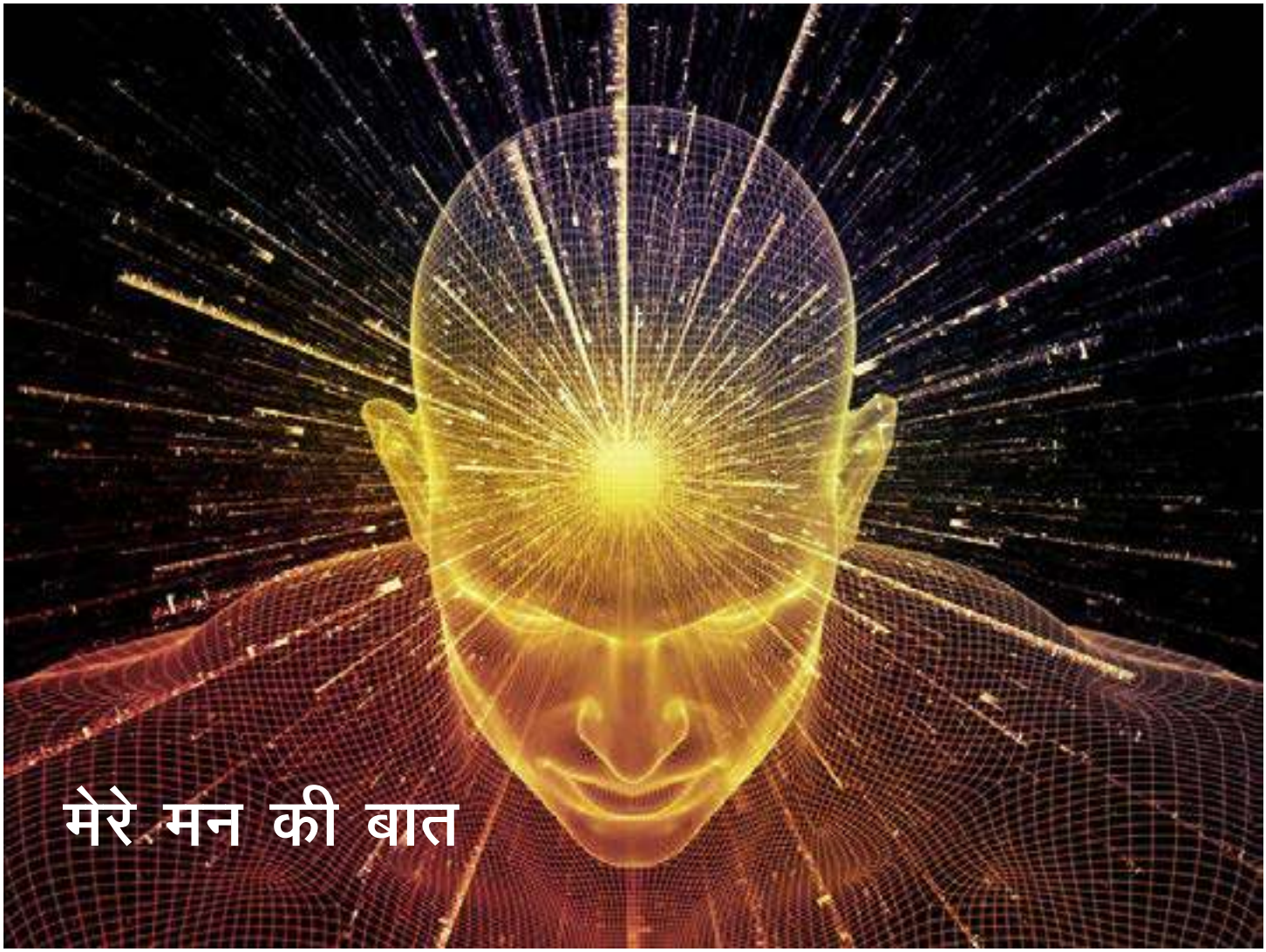

मेरे मन की बात

गोविंद.एस.पोके
सहायक प्रबंधक (वित्त)
जी ए पी एल

मेरे मन की बात हो तेरे मन की बात,
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

मेरा मन - मेरे विचार, सब लोग रहे मेरे साथ,
कश्मीर से कन्याकुमारी ये दुनिया सब हमारी।
ये देश की संपत्ति, ये देशवासि पर विश्वास।
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

जाता हूँ, हर देश में, सुनो मेरी बात
बोलता हूँ, पाकिस्तान नहीं हमारे साथ।
मेरे देश में फैला रहा है आतंकवाद,
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

मेरे मन की बात, सुनो चाय के साथ,
स्वच्छ भारत का सपना देखो,
सुनो बाद, टॉयलेट में बैठकर - रेडिओ के साथ।
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

मेरे मन की बात, अंबानी अदानी के साथ,
मेरे भाईओ बहनो, देश का विकास इन के हाथ।
सब का साथ सब का विकास,
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

मेरे मन की बात, जवानों - किसानों के साथ,
जिओ ये देश के लिए चाहिए तुम्हारा हाथ,
मरनेवाले अमर रहे, ये देश तुम्हारे साथ।
मैं चला रहा हूँ, ये देश का राज।

मेरे मन की बात हो तेरे मन की बात,
कौन चला रहा है, ये देश का राज?

हार्दिक बधाइयाँ

एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी को फैक्टरी & बोयलर्स विभाग, केरल से बहुत बडे फैक्टरियों की श्रेणी (500 श्रमिकों से ऊपर) में औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार।

श्री बेंज़ीगर एस.ए, एचएलएल - एएफटी को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैपटर से सुरक्षा स्लोगन (अंग्रेजी) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

गणतंत्र दिवस समारोह

पूजा समारोह

ताज़ा खबर

सरदार वल्लभाई पटेल की 143 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा लेते हुए श्री ई.ए सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन)। डॉ गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) भी देखी जाती है।

भारत में डायबटीस और कार्डियोवास्कुलर जोखिम कम करने के लिए कार्यस्थल आधारित जीवनशैली कार्यक्रम 14 नवंबर, 2018 को विश्व मधुमेह दिवस के सिलसिले में एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित किया गया।

विंग्स ऑफीसेर्स क्लब द्वारा 26 नवंबर 2018 से 10 दिसंबर 2018 तक विंग्स कप 2018 बैडमिंटन टूर्नमेंट आयोजित किया गया। सीएचओ, पीएफटी, एएफटी और हाइट्स के टीम टूर्नमेंट में भाग लिये गये।

एचएलएल प्रबंधन अकादमी द्वारा 15 अक्तूबर, 2018 को पूर्व शिक्षा मान्यता (आर पी एल) - रबड़ कुशल विकास परिषद (आर एस डी सी) कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में 15 नवंबर 2018 को आयोजित मुफ्त चिकित्सा शिविर।

टीम एचएलएल : 30-31 जनवरी 2019 को कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र में आयोजित वार्षिक योजना कार्यशाला 2019 के बाद एचएलएल के वरिष्ठ प्रबंधन टीम।

श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), एचएलएल 29 जनवरी से 02 फरवरी 2019 तक उदयसमुद्रा लीजर बीच होटल, तिरुवनंतपुरम में एचएलएल प्रबंधन अकादमी द्वारा आयोजित 6 वें वर्ष के ''स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्र में प्रापण प्रबंधन' पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे हैं। डॉ. पूर्णलिंगम, पूर्व संघ सचिव, डॉ. मोहनदास एन. के, निदेशक, एंग्लोस्केप, श्री रामन के. रामचंन्द्रन, सीईओ, एचएमए और श्री के. विनयकुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) भी देखे जाते हैं।

श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) एचएलएल कॉर्पोरेट मुख्यालय में 31 जनवरी 2019 को आयोजित समारोह में एक छात्र को प्रतीक्षा छात्रवृत्ति 2019 प्रदान करते हैं। इस शैक्षणिक वर्ष में तिरुवनंतपुरम और कनगला से व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले 32 अकादमिक तौर पर उत्कृष्ट छात्रों को प्रतीक्षा छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

एचएलएल सीएचओ में 08 मार्च 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अवसर पर श्रीमती वी. सरस्वती देवी, उप उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) द्वारा डॉ. गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बैज पिन लगायी जा रही है।

श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) 12 मार्च 2019 को फैक्टरी के आसपास के क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों के लिए एचएलएल आक्कुलम फैक्टरी और हिंदलैब्स द्वारा आयोजित मुफ्त कार्डियोलॉजी शिविर का उद्घाटन कर रहे हैं।

श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), पेरूरकडा फैक्टरी के एक कर्मचारी को एचएलईसीएस के वार्षिक उपहार वितरण करके इसका उद्घाटन कर रहे हैं।

पेरूरकडा फैक्टरी में उत्पादकता सप्ताह प्रतिज्ञा।

रिक्रियेशन क्लब के कार्यकलाप

विंग्स - अधिकारियों के क्लब के कार्यकलाप

पुरस्कार वितरण

टिप्पण एवं आलेखन के विजेता

हिंदी वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेता

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता

हिंदी मेला के प्रतिभागियों को पुरस्कार

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता (कर्मचारी एवं उनके बच्चे)

नेमी टिप्पणियाँ /MARGINAL NOTINGS

Above mentioned	उपर्युक्त/ऊपर उल्लिखित
Agreed	सहमत
A brief note is placed below	संक्षिप्त नोट नीचे रखा है।
Action may be taken as proposed	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाय।
Await reply	उत्तर की प्रतीक्षा की जाए।
Brief note is placed below	संक्षिप्त नोट नीचे दिया गया है।
Circulate and then file	परिचालित कर फाइल करें।
Draft for approval	प्रारूप/मसौदा अनुमोदनार्थ।
Disciplinary action	अनुशासनिक कार्रवाई।
Expedite action	कार्रवाई शीघ्र करें।
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
For favourable action	अनुकूल कार्रवाई के लिए।
For remarks	अभियुक्ति के लिए।
For further action	अगली/आगे की कार्वाई के लिए।
For signature please	हस्ताक्षर के लिए
Forwarded and recommended	अग्रेषित और संस्तुत
I have no further comments	मुझे कुछ नहीं कहना है।
I fully agree with the office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ।
Kindly expedite disposal	कृपया शीघ्र निपटान करें।
Kindly review the case	कृपया मामले पर पुनर्विचार करें।
Matter is under consideration	विषय/मामला विचाराधीन है।

May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाएं।
May please see	कृपया देखें।
May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए।
May be taken to the next meeting for ratification	अगली बैठक में अनुसमर्थन के लिए प्रस्तुत करें।
Necessary arrangement are being made	आवश्यक प्रबंध किये जा रहे हैं।
No further action is required	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।
Necessary steps should be taken	आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।
Orders are solicited	कृपया आदेश दें।
Please comply before due date	कृपया नियत समय से पहले इसका पालन किया जाए।
Please discuss with relevant papers	संगत कागज-पत्रों के साथ चर्चा करें।
Put up for verification	सत्यापन के लिए प्रस्तुत करें।
Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन करें।
The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव नियमानुकूल है।
Reasons for delay be explained	देरी/विलम्ब होने के कारण बताएं।
Reminder may be sent	अनुस्मारक/स्मरण पत्र भेजा जाए।
Required to be confirmed	पुष्टीकरण अपेक्षित है।
Submitted for perusal	अवलोकनार्थ/अवलोकन के लिए प्रस्तुत।
Under consideration	विचाराधीन।
Urgently required	अविलंब चाहिए, तुरंत चाहिए ।
Urgent attention may please be given	कृपया तुरन्त ध्यान दें।
Verified and found correct	जाँच की और सही पाया।
Violation of rules	नियमों का उल्लंघन ।

मौज मस्ती और हैपी डेज

विंग्स के साथ

3 सेनेटरी पैड सिर्फ ₹10 में

8 सेनेटरी पैड सिर्फ ₹25 में

नो
स्टेरॉइड
नो
साइड इफ़ेक्ट्स

सहेली गर्भनिरोधक गोली

कॉल करें टॉल फ़्री नं:

1800 425 3223

Disclaimer: Saheli only claims to not cause side effects generally associated with hormonal pills like facial hair growth, weight gain, nausea, vomiting, headache etc. However, few may experience a delay in their menstrual cycle.